तर्ज--कहीं ये वो तो नही

याद जब तेरी आती है तो दिल मचलता है
पिया मैं तेरी हुई

1--छुप के दिल मेरे में,तू ही तो सदा देता है
रूह का बुझता दिया,दिल में जला देता है
है ये तेरी ही सदा,है ये तेरी ही अदा

2--तेरी सूरत है निगाहों में, वही प्यारी सी
मेरी रग रग मे उठी,जाग वो चिंगारी सी
मिल गया इश्क तेरा,था वो जो हमसे छिपा

3--आप को देखा तो,मुझको है पिया ऐसा लगा
जैसे डूबी हुई कश्ती को ,किनारा है मिला
ना कहीं देखा ना सुना, जाम ये ऐसा पिया

Nijanand App